वर्ष-7, अंक- 3, 4 जून - नवम्बर 2014 (संयुक्तांक)

रासो

अन्तर्विषयी त्रैमासिक शोध पत्रिका

Scanned by CamScanner

RNI No RAJHIN/2007/26996
ISSN 0976-7452Raaso

रास्रो

इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं दर्शन की त्रैमासिक शोध पत्रिका

वर्ष-7 अंक - 3, 4 जून-नवम्बर, 2014 (संयुक्तांक) वर्ष 2014

सम्पादक
डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा

संरक्षक

* प्रो. जे. पी. शर्मा - आचार्य, ई. ए. एफ. एम. विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

सलाहकार मण्डल

* नर्मदा प्रसाद उपाध्याय - प्रसिद्ध साहित्यकार तथा संस्कृति चिंतक, इन्दौर (मध्य प्रदेश)
* प्रो. टी.के. माथुर - पूर्व अध्यक्ष, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर (राज.)
* प्रो. के.एस. गुप्ता - पूर्व आचार्य, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)
* प्रो. विभा उपाध्याय - प्रोफेसर, इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राज.)
* डॉ. वेद प्रकाश - सहायक निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
* डॉ. अर्चना त्रिपाठी - सहायक निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
* डॉ. रमेश अग्रवाल - स्थानीय सम्पादक, दैनिक भास्कर, अजमेर (राजस्थान)
* डॉ. श्यामसुंदर निगम - निदेशक, श्री कावेरी शोध संस्थान उज्जैन (म.प्र.)
* डॉ. बीना शर्मा - पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सावित्री कन्या महाविद्यालय, अजमेर
* डॉ. गौरव बिस्सा - सहआचार्य, विभागाध्यक्ष, प्रबंध अध्ययन विभाग, राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बीकानेर (राज.)

विषय-सूची

			पृष्ठ सं.
1.	डॉ. दिनेश शर्मा	: भारतीय संस्कृति और यज्ञ चिन्तन	1
2.	डॉ. रीता पारीक	: मारवाड़ की चित्रकला शैली	9
3.	डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ एवं विकास शर्मा	: भारतीय शिक्षा और गाँधी के प्रयोग	17
4.	डॉ. मृत्युंजय शर्मा	: नजीर अकबराबादी और हिन्दू धर्म : एक समन्वयात्मक दृष्टि	25
5.	डॉ. सुशील कुमार बैरवा	: गाँधी एवं तिलक का राजनीतिक चिन्तन : एक तुलनात्मक समीक्षा	49
6.	डॉ. निष्काम शर्मा	: डॉ. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में संस्कृति चिन्तन	59
7.	**Rajshri Bansal**	: Interpretation of Incarnation its Philosophy, Doctrine and a Common Connection between Hinduism & Christianity	67

Scanned by CamScanner

भारतीय शिक्षा और गाँधी के प्रयोग

डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़
सहायक आचार्य
अहिंसा एवं शान्ति विभाग,
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

विकास शर्मा
शोधार्थी
अहिंसा एवं शान्ति विभाग,
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

परिचय

सृष्टि के उद्भव के साथ ही यह स्पष्ट हो गया था कि विभिन्न प्राणियों में मानव एक विशिष्ट शक्ति से सुसज्जित है। मनुष्य ने विशिष्ट शक्ति का प्रयोग करते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित भी की। मनुष्य की जानने, समझने तथा खोज करने की प्रवृत्ति ने उसे अपने वातावरण के अनुकूल बनाया। ऋग्वेद में एक श्लोक में कहा गया है-

इमां द्वि यं क्षिमाणस्य देव, क्रतुं दक्षं वरुण सं शिक्षाधि।[1]

हे सर्वव्याप ज्योतिर्मय! जो ज्ञानोदय के लिए प्रयत्नशील है, उसकी बुद्धि, विवेक और अन्तर्दृष्टि को तीक्ष्णता प्रदान करो। शिक्षा को व्यक्ति व समाज दोनों का विकास करने वाली शक्ति के रूप में जाना जाता है।

भारतीय संस्कृति अत्यन्त प्राचीन संस्कृति है। इसके समान जो अन्य प्राचीन सभ्यताएँ थी, वे नष्ट हो चुकी हैं। मिस्र, असीरिया, बेबीलोनिया की सभ्यताएँ जो अब केवल इतिहास के रूप में ही विद्यमान हैं। मिस्र के वर्तमान निवासियों का प्राचीन सभ्यताओं से कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारत में अनेक विद्वान् हुए, जिन्होंने शैक्षिक विचारधारा का प्रादुर्भाव किया। उनमें प्रमुख रूप से महात्मा गाँधी, स्वामी विवेकानन्द, रविन्द्रनाथ टैगोर, श्री अरविन्द घोष, स्वामी दयानन्द सरस्वती, पं. मदनमोहन मालवीय प्रमुख हैं।

महात्मा गाँधी के शैक्षणिक विचार

भारत देश के लिए गाँधीजी की अनेक देनों में से नवीन शिक्षा के प्रयोग की देन सबसे महान् है। वह तरुण व्यक्तियों को सहयोग, प्रेम और सत्य के आधार पर एक समुदाय के रूप में रहने की शिक्षा देकर नये समाज के लिए नागरिकों को तैयार करने का प्रयत्न करती है। गाँधीजी ने राजनीति, समाज-सुधार, सत्य और अहिंसा के क्षेत्रों में अति महान् सफलताएँ प्राप्त कीं। इनके कारण शिक्षा-सिद्धान्त और व्यवहार की दी जाने वाली उनकी देन बहुत ही कम याद आती है। वास्तव में शैक्षिक विचारकों में उनका स्थान अतिश्रेष्ठ है। उन्होंने अपने जीवन के प्रारम्भ में ही अनुभव कर लिया था कि सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और नैतिक प्रगति का आधार शिक्षा है।

डॉ. एम.एस. पटेल का कथन है-"गांधीजी ने उन महान् शिक्षकों और उपदेशकों के गौरवपूर्ण मण्डलों में स्थान प्राप्त किया है, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र को नवज्योति दी है। ग्रीन का कथन था कि पेस्टालाजी

शोध-पत्र में उल्लिखित सन्दर्भ एवं विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक नहीं।

Scanned by CamScanner